प्रेस - विज्ञप्ति

दिनांक 10/7/17 को जमशेदपुर वीमेन्स कॉलेज प्रांगण के बहुद्देशीय सभागार में झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी, उच्च तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, राँची झारखण्ड सरकार एवं रेड FM के संयुक्त तत्वाधान में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर छात्राओं के बीच जागरुकता लाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'हुनर के संग, जीवन में रंग' जैसे स्लोगन के साथ छात्राओं के बीच प्रश्नोत्तर किए गए। प्राचार्या डॉ० पूर्णिमा कुमार ने हुनर के महत्व को समझाते हुए छात्राओं को उत्साहित किया। साथ ही अतिथियों का स्वागत किया।
कार्यक्रम का संचालन रेड एफ० एम० की रेडियो जॉकी स्मिता एवं शुभ्रा ने किया। श्री अमित पाण्डे (Dist. skill co-ordinator, east singhbhum) ने हुनर के संबंध में झारखण्ड सरकार से जुड़ी कई योजनाओं से छात्राओं को अवगत कराया। जैसे - नर्सिंग, ब्युटिशियन, बागवानी इत्यादि कई ऐसे कार्यक्रम हैं जिसके लिए झारखण्ड सरकार निःशुल्क लाभ प्रदान कर रही है। सिंहभूम के कई क्षेत्रों में ऐसे ट्रेनिंग प्रोग्राम चल रहे हैं।
श्री कमलेश कुमार (सेन्ट्रल हेड, NTTF) ने भी इस संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ० त्रिपुरा झा के द्वारा दिया है। प्रश्नोत्तरी में निम्न छात्राओं को पुरस्कृत किया गया - सदाफ मेहताब, प्रिया तिवारी, लोपा दास, अनुराधा प्रधान, मुस्कान सिंह, दीपशिखा पाण्डा, पूजा सिंह, नीतू शिवानी पाण्डे, श्रुति, रश्मि एवं अनिमा कुमारी
कार्यक्रम में श्री सनातन दीप, श्रीमती सुधा दीप, पियाली विश्वास, शर्मिला दास, श्रीमती नूपुर अन्विता मिंज, रेड एफ० एम के मुरली कृष्णा राव, विशाल कुमार (group Manager RedFM) उपस्थित थे।

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 10.07.2017 को जमशेदपुर वीमेन्स कॉलेज में योग - विभाग की ओर से 'दीर्घायु पंचगव्य चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र, जमशेदपुर' के द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आरम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० पूर्णिमा कुमार के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह चिकित्सा रामबाण के समान है अतः इस संगोष्ठी में भाग लेकर इससे लाभान्वित हो और अपने जीवन को निरोग बनाएँ। योग विभाग के कॉर्डिनेटर डॉ० मनोज महापात्रा ने विषय प्रवेश कर इसके महत्व पर संक्षिप्त प्रकाश डाला।

संगोष्ठी में वक्ता के रूप में आए हुए मिस्टर ए० के० सिंह ने 'दिनचर्या' पर विशेष चर्चा की और अपने महत्वपूर्ण वक्तव्य से सजग रहने का मंत्र दिया।

मुख्य वक्ता डॉ० मदन सिंह कुशवाहा ने पंचगव्य चिकित्सा के विशेष बातों को लक्ष्य करते हुए कहा कि - बीमारियों से कैसे अपना बचाव करें, गोमूत्र से कैसे स्वरोजगार प्राप्त करें, बीमारियों का इलाज कैसे हो एवं लाइलाज बीमारियों से मुक्त कैसे हो। साथ ही कैम्प लगाने की चर्चा भी की। केन्द्र से आई हुई डॉ० गीता सिंह कुशवाहा, जो स्त्री रोग विशेषज्ञ ने छात्राओं को इसे वैकल्पिक अपनाने को सलाह दी।

एन० आई० टी० प्रोफेसर डॉ० वीरेन्द्र कुमार ने अपने अनुभव को बाँटते हुए इसके अचूक इलाज से अवगत कराया। छात्राओं ने कई तरह के प्रश्न किए और संतोषजनक उत्तर पाया।

~~[illegible]~~ डॉ० मदन सिंह कुशवाहा ने पंचगव्य में स्थित खनिज पदार्थों के प्रयोग द्वारा परीक्षण कर प्रमाण दिया।

इस अवसर पर शिक्षक - शिक्षिकागण तथा भारी संख्या में छात्राएँ उपस्थित थीं। धन्यवाद ज्ञापन योग विभाग के कॉर्डिनेटर डॉ० मनोज महापात्रा ने किया।